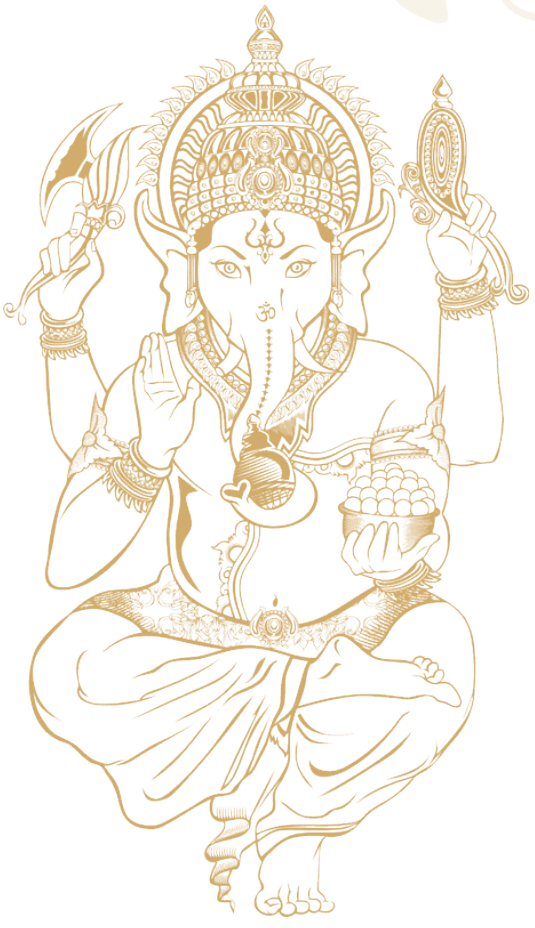

Mr gochar

07 Jan 2025

05:02 PM

Katni

Model: web-freekundliweb

Order No: 120856202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/01/2025**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**17:02:00 घंटे**
इष्ट	25:24:10 घटी
स्थान	**Katni**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	80:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:53:56 घंटे
वेलान्तर	-00:06:17 घंटे
साम्पातिक काल	00:03:05 घंटे
सूर्योदय	06:52:19 घंटे
सूर्यास्त	17:36:45 घंटे
दिनमान	10:44:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:12:50 धनु
लग्न के अंश	16:25:17 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शिव
करण	बालव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ची-चिराग
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:25:17	320:41:52	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			धनु	23:12:50	01:01:09	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मीन	29:31:54	14:06:07	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
मंगल	व		कर्क	05:24:17	00:22:45	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध			धनु	04:26:21	01:24:32	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		वृष	18:22:15	00:05:24	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	10:21:06	01:02:16	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			कुंभ	20:50:05	00:05:02	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मीन	06:13:50	00:00:35	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	06:13:50	00:00:35	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	29:17:11	00:01:10	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	---
नेप			मीन	03:11:30	00:01:02	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	07:03:35	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मीन	06:37:59	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:24

लग्न-चलित

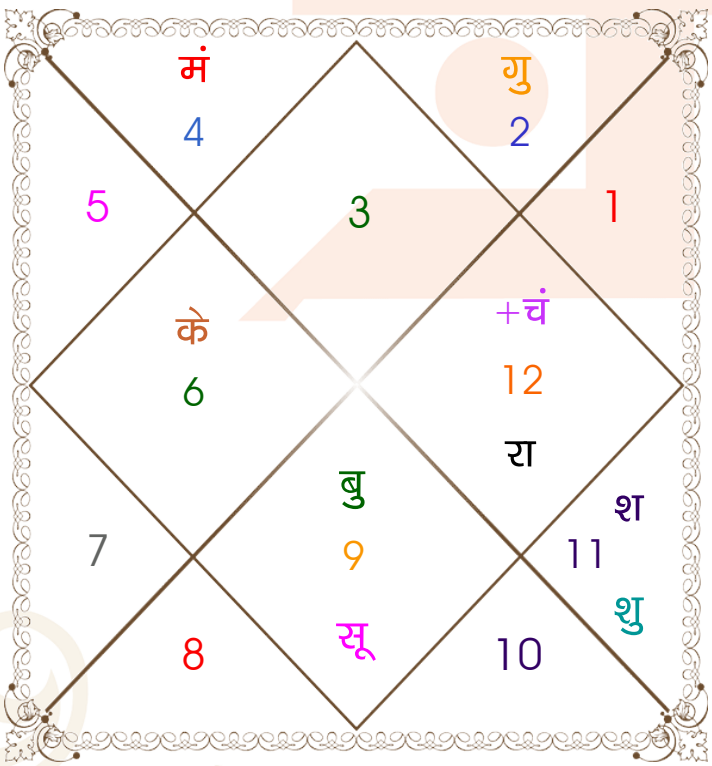

चन्द्र कुंडली

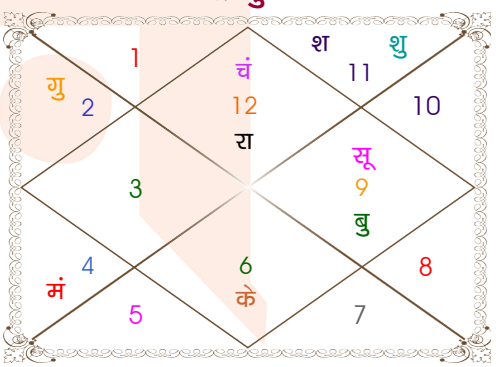

नवमांश कुंडली

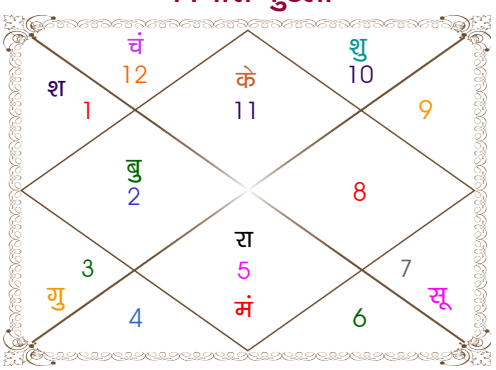

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 0 वर्ष 7 मास 5 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
07/01/2025		13/08/2025		13/08/2032		13/08/2052		14/08/2058	
13/08/2025		13/08/2032		13/08/2052		14/08/2058		13/08/2068	
	00/00/0000	केतु	09/01/2026	शुक्र	14/12/2035	सूर्य	01/12/2052	चंद्र	14/06/2059
	00/00/0000	शुक्र	12/03/2027	सूर्य	13/12/2036	चंद्र	01/06/2053	मंगल	13/01/2060
	00/00/0000	सूर्य	17/07/2027	चंद्र	14/08/2038	मंगल	07/10/2053	राहु	14/07/2061
	00/00/0000	चंद्र	15/02/2028	मंगल	14/10/2039	राहु	01/09/2054	गुरु	13/11/2062
	00/00/0000	मंगल	14/07/2028	राहु	13/10/2042	गुरु	20/06/2055	शनि	13/06/2064
	00/00/0000	राहु	01/08/2029	गुरु	13/06/2045	शनि	01/06/2056	बुध	13/11/2065
	00/00/0000	गुरु	08/07/2030	शनि	13/08/2048	बुध	07/04/2057	केतु	14/06/2066
	07/01/2025	शनि	17/08/2031	बुध	14/06/2051	केतु	13/08/2057	शुक्र	12/02/2068
शनि	13/08/2025	बुध	13/08/2032	केतु	13/08/2052	शुक्र	14/08/2058	सूर्य	13/08/2068

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
13/08/2068		14/08/2075		13/08/2093		14/08/2109		14/08/2128	
14/08/2075		13/08/2093		14/08/2109		14/08/2128		08/01/2145	
मंगल	09/01/2069	राहु	26/04/2078	गुरु	02/10/2095	शनि	17/08/2112	बुध	11/01/2131
राहु	28/01/2070	गुरु	19/09/2080	शनि	14/04/2098	बुध	27/04/2115	केतु	08/01/2132
गुरु	04/01/2071	शनि	27/07/2083	बुध	21/07/2100	केतु	05/06/2116	शुक्र	08/11/2134
शनि	12/02/2072	बुध	12/02/2086	केतु	27/06/2101	शुक्र	06/08/2119	सूर्य	14/09/2135
बुध	09/02/2073	केतु	02/03/2087	शुक्र	26/02/2104	सूर्य	18/07/2120	चंद्र	13/02/2137
केतु	08/07/2073	शुक्र	02/03/2090	सूर्य	14/12/2104	चंद्र	16/02/2122	मंगल	10/02/2138
शुक्र	07/09/2074	सूर्य	25/01/2091	चंद्र	15/04/2106	मंगल	28/03/2123	राहु	29/08/2140
सूर्य	13/01/2075	चंद्र	26/07/2092	मंगल	22/03/2107	राहु	01/02/2126	गुरु	05/12/2142
चंद्र	14/08/2075	मंगल	13/08/2093	राहु	14/08/2109	गुरु	14/08/2128	शनि	08/01/2145

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 0 वर्ष 7 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।